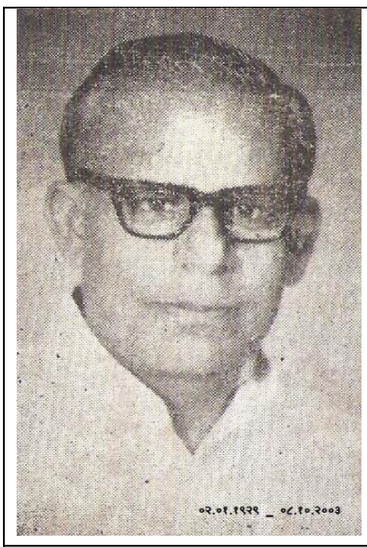

परिचय : ____

स्व॰ शारदानन्द प्रसाद
पिता - स्व॰ वंशीधर प्रसाद
माता - स्व॰ राजकुमारी देवी
जन्म स्थान - गौरी (सीवान), बिहार
पेशा - अध्यापन

साहित्यिक सिलसिला ____

@ उपाध्यक्ष, सीवान जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन
@ पूर्व सचिव, साहित्यायन पचरुखी
@ पूर्व अध्यक्ष , सीवान जिला भोजपुरी साहित्य सम्मेलन
@ सदस्य, स्थायी समिति, अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन
@ सचिव, विद्यालय साहित्य परिषद
@ सीवान जिला भोजपुरी साहित्य सम्मेलन से सम्मानित

धरोहर ___

#किताब :

@ पुरइन (भोजपुरी कविता संग्रह) : १९७१
@ खेल खेलाड़ी आ ओकर बोल (शोध संग्रह) : १९७१
@ बाक़िर (भोजपुरी कविता संग्रह) : १९७८
@ सुबहिता (भोजपुरी कहानी संग्रह) : १९९५
@ का कहीं (भोजपुरी कविता संग्रह) : १९९७
@ सुरता के पथार (आत्म संस्मरण) : २००२
@ नाचे ना जाने अँगनवें टेढ़(भोजपुरी लोकोक्ति : संग्रह आ विश्लेषण : २००३

#सम्पादन :

@ पुष्पांजलि (पत्रिका : भोजपुरी प्रभाग) : १९६९
@ सुरभि (विद्यालय पत्रिका) : १९७४
@ अतियाचार (भोजपुरी नाटक) : १९७४

 # संग्रह /संकलन में शामिल :

@ बिहार विश्व विद्यालय भोजपुरी पद्य संग्रह
@ मलयानिल (हिन्दी काव्य संग्रह) _ प्र॰ साहित्यायन, पचरुखी
@ अमराई (हिन्दी काव्य संग्रह) _ प्र॰ संजय प्रकाशन दिल्ली
@ काव्या (भोजपुरी कविता संग्रह)
@ तिरमिरी (भोजपुरी कविता संग्रह)
@ भोजपुरी के चुनिन्दा हाइकु
@ एक मुट्ठी लाई (भोजपुरी लघु कथा संग्रह)

भोजपुरी कविता संग्रह "बाक़िर" से _____

१

बर्रे के दाना जइसन
तोहार बतीसी,
डोमकच के जलूआ जइसन
कुँआर हँसी,
केतना निश्छल बा !

बाक़िर
हमार माहुर के कूँच अइसन
कसाइल ओठ
का ओतने साँच नइखे ?

२.

काल्ह रात में
मंदिर के कलसा
केहु उठा ले गइल
सोना समझ के

अब
घंटी पर खतरा बा !

ठाकुर जी
कोठारी में बंद बनीं !
डर बा
आँख ना निकाल लेव !

३.

चिन्हार के दगाबाजी
अँखदेखारे होखे
त
कवनो बात नइखे !

बाक़िर
तोहार ऊ दगाबाजी त
करेज काढ़ लेला
जवन
पसगयबत में होला !